an>

Title: Need to punish the culprits of 1984 riots.

श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा (आनंदपुर साहिब) : अध्यक्ष महोदया, मैं सरकार और सदन का ध्यान एक बहुत ही महत्वपूर्ण, संवेदनशील और गम्भीर मुद्दे पर लाना चाहता हूं। इस देश में वर्ष 1984 में देश की राजधानी दिल्ली और बहुत से अन्य हिस्सों में सिक्ख समाज के बेगुनाह लोगों का सरेआम कत्लेआम हुआ था। औरतों और बच्चों के गले टायर डाल कर उनको जला दिया गया। दुखः इस बात का है कि उस समय की सरकार की उसको सरेआम शह थी। जब लाशों पर लोग नाच रहे थे तो उस समय की सरकार जो बड़ा नेता कह रहा था कि जब बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती कांपती है। आज जो लोग जम्हूरियत की बातें कर रहे हैं, इंसानियत की बातें कर रहे हैं, इन्होंने उस समय सरेआम देश का कत्ल किया था, जम्हूरियत का कत्ल किया था। मैं आपके माध्यम सरकार से दो बातों के लिए निवेदन करना चाहता हूं कि अलग-अलग कमीशन्स ने कलप्रिट्स को आइडेंटिफाई किया है, उनको अभी तक कोई सजा नहीं दी गयी है। माननीय वाजपेयी साहब ने नानावती कमीशन बनाया था। उन्होंने दोषियों को आइडेंटिफाई कर लिया था, लेकिन एक्शनटेकन रिपोर्ट के समय सरकार बदल गयी। अब मोदी साहब की सरकार आयी है। जिसके मेनिफेस्टो में वादा किया और इन्होंने सरकार बनते ही एसआईटी बैठायी है। मैं आपके माध्यम से सरकार से जानना चाहता हूं कि एसआईटी का क्या स्टेट्स है? बेगुनाहों को कब पकड़ा जाएगा और सज़ा दी जाएगी? पीड़ित परिवारों को पांच-पांच लाख रुपये देने का भी वायदा किया गया था, उसका क्या स्टेट्स है? रिएक्शन में बहुत सारे लोग जेलों में चले गए थे, उनको अदालतों ने सजा सुनायी और वे पूरी कर पाएं, उनकी रिहाई का भी मैं निवेदन करता हूं।

मैं आखिर में एक बात इस सदन को कहना चाहता हूं कि हजारों बेगुनाह लोग इस देश की धरती पर मारे गए। मैं सदन से निवेदन करना चाहता हूं कि सदन सर्वसम्मति से उन लोगों को श्रद्धांजलि दे और पीड़ित परिवारों के साथ सहानुभूति जताए, यह मैं प्रस्ताव रखना चाहता हूं।

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री अजय मिश्रा टेनी,

श्री सुमेधानन्द सरस्वती,

श्री राघव लखनपाल और

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।